

>

Title: Regarding religious conversion in Jharkhand.

डॉ. निशिकांतदुबे (गोड्डा): अध्यक्षमहोदय, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए धन्यवाद। ये अध्यक्षमहोदय ऐसे हैं, जो कि जीरो ऑवर में बैठते हैं, पहली बार मैं किसी स्पीकर को देखता हूँ। ... (व्यवधान) अध्यक्षजी की अनुमति से कहीं से भी बोल सकते हैं।

अध्यक्षमहोदय, मैं जिस राज्याज्ञारखंड से आता हूँ, वह एक बड़ी समस्या से ग्रसित है। मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी, जिसको नोबल पुरस्कार दिया गया, मदर टेरेसा का हम सभी लोग सम्मान करते हैं। उसकी जो संस्थाएँ झारखंड में हैं, वे धर्मांतरण में लगी हुई हैं। छोटे-छोटे बच्चे हैं, किसके बच्चे हैं, यह तक नहीं पता चलता है। स्पीकरमहोदय, आपको जानकर आश्चर्य होगा कि बच्चे की मां कौन है, पिता कौन है और उसके बाद मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी उन बच्चों को गोद लेकर बाहर भेजती है। बाहर एक बहुत बड़े रैकेट चल रहा है। यह रैकेट केवल मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी ही नहीं चल रहा है, और भी कई सारी संस्थाएँ चल रही हैं। उनको एफ सी आर एके अंतर्गत बाहर से फंडिंग आती है। वे सामने तो दिखाते हैं कि हम स्वास्थ्य के बारे में काम कर रहे हैं, शिक्षा के बारे में काम कर रहे हैं। स्पीकरमहोदय, आपको पता है कि सबसे ज्यादा 40 से 50 पर्सेंट माइंस और मिनरल्स इस देश में यदि कहीं हैं, तो वह झारखंड में है। कहां प्लांट नहीं लगना है, कहां पावर प्लांट नहीं लगना है, कहां माइनिंग नहीं होनी है, इस तरह की सारी समस्याओं से झारखंड ग्रसित है। हम पलायन और विस्थापन के शिकार हैं। झारखंड के 70 पर्सेंट बच्चे कुपोषित हैं, 80 पर्सेंट महिलाएं एनीमिक हैं। वहां के स्थानीय लोगों को 10-15 पर्सेंट रोजगार मिलता है, क्योंकि डेवलपमेंट का कोई काम नहीं हो रहा है।

स्पीकरमहोदय, मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि जितनी भी संस्थाएँ एफ सी आर एसे रजिस्टर्ड हैं,

खासकरमिशनरीज़ऑफचैरिटीजैसीजोसंस्थाहै, उसकेबारेमेंसीबीआईइंकायरीहो,
उसकीजांचहोऔरइसकेऊपरकार्रवाईकरकेझारखंडकीरक्षाहो ।
धर्मांतरणजोइनकाएकबड़ामुद्दाहै,
उसधर्मांतरणसेमुक्तिमिलेऔरहमारेविकासमेंयहसहायकहो ।
इन्हींशब्दोंकेसाथजयहिंद, जयभारत ।